ग़ज़ल 19

- रविशंकर श्रीवास्तव

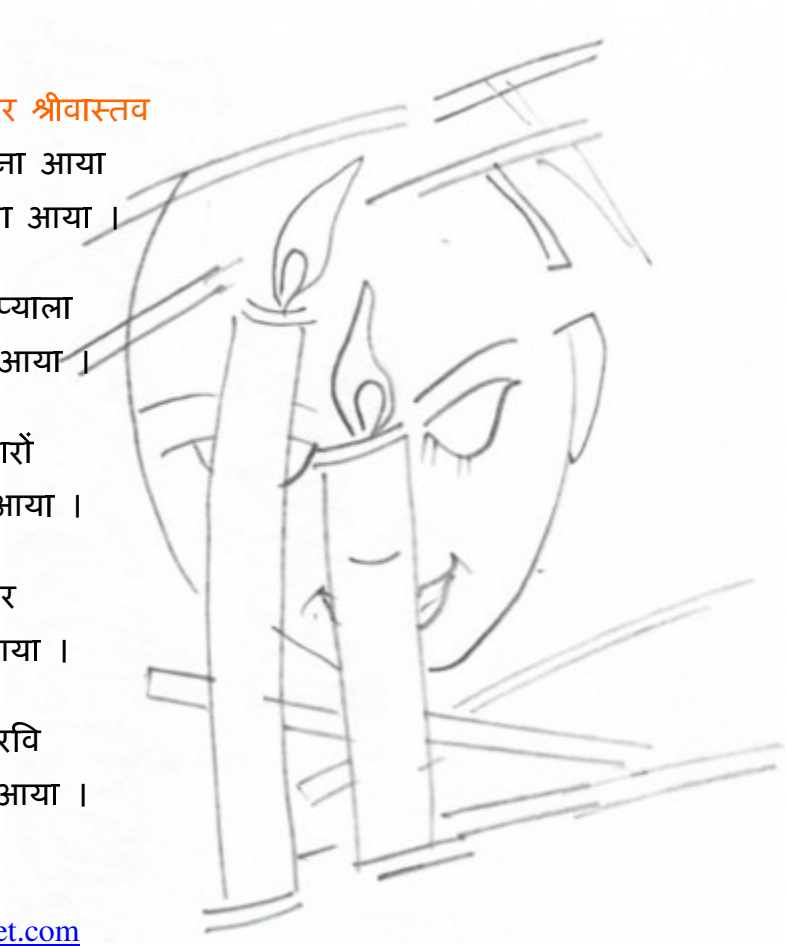

जाने किस बात पे हमें रोना आया
बेदर्द जमाने क्यों हमें रोना आया ।

कोई तो दे हमें ज़हर का प्याला
जाम पी के तो हमें रोना आया ।

इन चरागों को बुझा दो यारों
रौशनी देख के हमें रोना आया ।

बस करो छेड़ो न चर्चा फिर
जिन बातों पे हमें रोना आया ।

के कहकहे लगाए सबने रवि
सुनके जो बात हमें रोना आया ।

raviratlami@mantrafreenet.com
100, सुकृति, राजीव नगर, कस्तूरबा,
रतलाम म.प्र. 457001